भारत सरकार

भारी उद्योग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1249

03.12.2024 को उत्तर के लिए नियत

दुपहिया उत्पादन कंपनियों हेतु प्रोत्साहन

1249. **श्री सुधीर गुप्ता**:

श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे:

क्या **भारी उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारत ने विश्व के सबसे बड़े दुपहिया बाजार के रूप में चीन को पीछे छोड़ दिया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार का विचार देश में दुपहिया वाहन बनाने वाली कंपनियों को, विशेषकर देश के ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों तक इनकी पहुंच को अधिकतम करने के लिए प्रोत्साहन देने का है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं;

(घ) क्या सरकार का विचार इस उद्योग को बढ़ावा देने के लिए इस प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम से जोड़ने का है; और

(ड़) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार द्वारा इस संबंध में क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर

भारी उद्योग मंत्री

(श्री एच. डी. कुमारस्वामी)

(क) : जी हाँ। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबिल मैन्युफैक्चरर्स से प्राप्त सूचनानुसार, कैलेंडर वर्ष 2023 में चीन में 16.6 मिलियन यूनिट दुपहिया वाहन बेचे गए, जबकि कैलेंडर वर्ष 2023 में भारत में कुल पंजीकृत दुपहिया वाहन 17.10 मिलियन थे (कैलेंडर वर्ष 2023 के लिए वाहन डेटाबेस के अनुसार)।

(ख) से (ड) : भारत में शुरुआती स्तर के दुपहिया वाहन निर्माता देश के ग्रामीण क्षेत्रों में पहले ही से पैठ बना चुके हैं। ऑटोमोबिल और ऑटो संघटकों के लिए उत्पादन-संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) स्कीम को सरकार ने 15 सितंबर, 2021 को 25,938 करोड़ रुपये के बजटीय परिव्यय के साथ अनुमोदित किया है ताकि उन्नत ऑटोमोटिव प्रौद्योगिकी (एएटी) उत्पादों के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा मिले और ऑटोमोटिव विनिर्माण मूल्य

श्रृंखला में निवेश आकर्षित हो सके। एएटी दुपहिया वाहन भी स्कीम के तहत विनिश्चित बिक्री मूल्य पर 13% से 18% तक के आर्थिक प्रोत्साहन के पात्र हैं। दिनांक 26.11.2024 की स्थिति के अनुसार, स्कीम के तहत पांच दुपहिया मूल उपकरण विनिर्माताओं (ओईएम) को अनुमोदित किया गया है। स्कीम का ब्यौरा https://heavyindustries.gov.in/pli-scheme-automobile-and-auto-component-industry पर उपलब्ध है।

*****